Program No. & Name of the Examination : 3A00143 / S.Y.B.A. (SEM-III) (Choice Base)
Subject (Paper code) : 79442 / Hindi : Paper II

(1)

(Answer-Key)

उत्तर-कुंजी

Q. No.		Marks
प्रश्न-1	संदर्भ सहित व्याख्या।	27

(क) "दीपक दीया.....।"
पाठ्यपुस्तक : मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य।
दोहे के रचयिता : संत कबीर।
- कबीरदास के दोहे के 'सतगुरु महिमा अंग' अंश से।

अथवा

"आजकल लड़ाई.....।"
पाठ्यपुस्तक : मध्यकालीन एवं आधुनिक काव्य।
कविता का शीर्षक : "आजकल लड़ाई का जमाना है"।
कविता के रचयिता : त्रिलोचन।

(ख) "सारी वसुंधरा.....।"
पाठ्यपुस्तक : परशुराम की प्रतीक्षा।
रचयिता : रामधारीसिंह 'दिनकर'।
कविता का शीर्षक : "परशुराम की प्रतीक्षा खण्ड-एक"।

अथवा

"जनता जगी हुई है.....।"
पाठ्यपुस्तक : परशुराम की प्रतीक्षा
रचयिता : रामधारीसिंह 'दिनकर'
कविता का शीर्षक : "जनता जगी हुई है"।

(ग) "घर रहेंगे.....।"
पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि कविताएँ : कुँवर नारायण।
कवि/रचयिता : कुँवर नारायण।
संपादक : पुरुषोत्तम अग्रवाल।
कविता का शीर्षक : "घर रहेंगे"।

अथवा

"जब तुम अपने मस्तक.....।"
पाठ्यपुस्तक : प्रतिनिधि कविताएँ : कुँवर नारायण।
कवि/रचयिता : कुँवर नारायण।
संपादक : पुरुषोत्तम अग्रवाल।
कविता का शीर्षक : "अंतिम ऊँचाई"।

→ पन्ना पलटिए.....

(Answer-Key)
उत्तर-कुंजी

Q. No.		Marks
प्रश्न-2	दीर्घोत्तरी प्रश्न ।	36
(घ)	"सूरदास के पद" ।	
	अथवा	
	"नदी और साबुन" – कवि ज्ञानेंद्रपति ।	
(ङ)	"परशुराम की प्रतीक्षा" – कवि रामधारीसिंह 'दिनकर' ।	
	अथवा	
	"हिम्मत की रोशनी" – कवि रामधारीसिंह 'दिनकर' ।	
(च)	"प्रतिनिधि कविताएँ : कुँवर नारायण ।	
	अथवा	
	"क्या वह नहीं होगा" – कवि कुँवर नारायण ।	
प्रश्न-3	सामान्य प्रश्न ।	
(छ)	"अयोध्याकाण्ड (रामचरितमानस) – तुलसीदास ।	12
	अथवा	
	"समर शेष है" – कवि रामधारीसिंह 'दिनकर' ।	
	अथवा	
	"बाजारों की तरफ भी" – कवि कुँवर नारायण ।	
प्रश्न-4	टिप्पणियाँ ।	
(ज)	कबीर की भक्ति-भावना – कबीर के दोहे : सुमिरन भजन महिमा को अंग ।	15
	अथवा	
	"एक छोटा-सा अनुरोध" – कुँवर नारायण ।	
(झ)	"लोहे के मर्द" – कवि रामधारीसिंह 'दिनकर' ।	
	अथवा	
	"आज कसौटी पर गाँधी की आग है" – कवि रामधारीसिंह 'दिनकर' ।	
(ञ)	"अंतिम ऊँचाई" – कवि कुँवरनारायण ।	
	अथवा	
	"स्पष्टीकरण" – कवि कुँवर नारायण ।	

→पलटिए

3

(Answer-key)

उत्तर-कुंजी

Q. No.		Marks
प्रश्न-5	अतिलघुत्तरी वस्तुनिष्ठ प्रश्न।	10
(ट)	सतगुरु की महिमा अनंत।	
(ठ)	कवि त्रिलोचन — आजकल लड़ाई का जमाना है।	
(ड)	"नाहिं पराग, नहिं मधुर मधु ....." — बिहारी लाल।	
(ढ)	"घर" — मंगलेश डबराल।	
(ण)	कवि रामधारी सिंह 'दिनकर' — परशुराम की प्रतीक्षा।	
(त)	"जनता ....." शीर्षक — "जनता जगी हुई है।	
(थ)	जो तटस्थ है, समय लिखेगा उनका भी अपराध।	
(द)	"अबकी अगर ......" शीर्षक — "अबकी अगर लौटा तो।"	
(ध)	"क्या वह नहीं होगा" कविता — कुँवर नारायण।	
(न)	कवि कुँवर नारायण के अनुसार — "गलत-से-गलत वक्त में भी सही-से-सही बात कही जा सकती है।	

——— * * * ———